हिन्दी कंप्यूटिंग

Skill Enhancement Course for BA Hindi Programme

Self Learning Material

B21HD01SE

SREENARAYANAGURU
OPEN UNIVERSITY

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

The State University for Education, Training and Research in Blended Format, Kerala

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Vision

To increase access of potential learners of all categories to higher education, research and training, and ensure equity through delivery of high quality processes and outcomes fostering inclusive educational empowerment for social advancement.

Mission

To be benchmarked as a model for conservation and dissemination of knowledge and skill on blended and virtual mode in education, training and research for normal, continuing, and adult learners.

Pathway

Access and Quality define Equity.

SGOU

हिन्दी कंप्यूटिंग

Course Code: B21HD01SE

Semester -III

Skill Enhancement Course
for BA Hindi Language and Literature
Self Learning Material

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

The State University for Education, Training and Research in Blended Format, Kerala

B21HD01SE

हिन्दी कंप्यूटिंग

Semester III

All rights reserved. No part of this work may be reproduced in any form, by mimeograph or any other means, without permission in writing from Sreenarayanaguru Open University. Printed and published on behalf of Sreenarayanaguru Open University by Registrar, SGOU, Kollam.

www.sgou.ac.in

ISBN 978-81-966440-5-5

DOCUMENTATION

Academic Committee

Dr. C. Balasubramanian (Chairman),
Dr. Abdul Jabbar M.
Dr. Anish Cyriac
Dr. Antony Oliver
Dr. N. Shaji
Dr. Rajan T.K.
Dr. Roshni R.
Dr. Sreedevi
Dr. Suma S.
Dr. Sumith P.V.
John Panicker

Development of the content

Dr. Suma S.

Review

Content : Dr. Reshma P. P.
Format : Dr. I.G. Shibi
Linguistics : Dr. Suma S.

Edit

Dr. Reshma P. P.

Scrutiny

Dr. Sophia Rajan, Dr. Indu G. Das, Dr. Karthika M.S., Dr. Sudha T., Krishnapreethi A. R.

Co-ordination

Dr. I.G. Shibi and Team SLM

Design Control

Azeem Babu T.A.

Production

October 2023

Copyright

© Sreenarayanaguru Open University 2023

MESSAGE FROM VICE CHANCELLOR

Dear

I greet all of you with deep delight and great excitement. I welcome you to the Sreenarayanaguru Open University.

Sreenarayanaguru Open University was established in September 2020 as a state initiative for fostering higher education in open and distance mode. We shaped our dreams through a pathway defined by a dictum 'access and quality define equity'. It provides all reasons to us for the celebration of quality in the process of education. I am overwhelmed to let you know that we have resolved not to become ourselves a reason or cause a reason for the dissemination of inferior education. It sets the pace as well as the destination. The name of the University centres around the aura of Sreenarayanaguru, the great renaissance thinker of modern India. His name is a reminder for us to ensure quality in the delivery of all academic endeavours.

Sreenarayanaguru Open University rests on the practical framework of the popularly known "blended format". Learner on distance mode obviously has limitations in getting exposed to the full potential of classroom learning experience. Our pedagogical basket has three entities viz Self Learning Material, Classroom Counselling and Virtual modes. This combination is expected to provide high voltage in learning as well as teaching experiences. Care has been taken to ensure quality endeavours across all the entities.

The University is committed to provide you stimulating learning experience. The curriculum follows the UGC guidelines of having three disciplines in a bundle with an impressive spread of other academic components. Skill Enhancement Courses occupy the curriculum of the UG programme with a view to expose the learner to discipline specific skills. This is an important step of the university to provide new experiences of vibrant content of the discipline. The details have been designed at par with similar courses of other premier institutions imparting skill training. We assure you that the university student support services will closely stay with you for the redressal of your grievances during your studentship.

Feel free to write to us about anything that you feel relevant regarding the academic programme.

Wish you the best.

Regards,
Dr. P.M. Mubarak Pasha

01.08.2023

Contents

BLOCK 01: **कंप्यूटर और उसके विभिन्न भाग** 01

इकाई 1: कंप्यूटर संबंधी बुनियादी बातें और कंप्यूटर की विशेषताएँ.................................... 02

इकाई 2: कंप्यूटर के विभिन्न भाग, हार्ड वेयर और सॉफ्टवेयर, ऑपरेटिंग सिस्टम.................. 05

इकाई 3: MS Office, Word, Excel, PowerPoint, Internet, Blog, E-mail...................... 08

BLOCK 02: **भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयर और हिन्दी कंप्यूटिंग** 13

इकाई 1: भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयर 14

इकाई 2: Leap office, ISM, Pagemaker... 20

इकाई 3: हिन्दी टाइपिंग फोंटः मंगल.. 23

BLOCK 01

कंप्यूटर और उसके विभिन्न भाग

SGOU

इकाई 1

कंप्यूटर संबंधी बुनियादी बातें और कंप्यूटर की विशेषताएँ

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- कंप्यूटर का सामान्य परिचय प्राप्त होता है
- कंप्यूटर की मुख्य विशेषताएँ समझता है
- मीडिया के क्षेत्र में कंप्यूटर का स्थान समझता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

आज का युग कंप्यूटर का युग है। यह मशीन आज हमारे आम जीवन का अंग बन गया है। बीसवीं शताब्दी की तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रगति ने मनुष्य के जीवन में नई क्रांति, उत्पन्न की हैं, कंप्यूटर के निर्माण से विश्व एक छोटे से ग्राम के रूप में बदला हुआ दिखाई देता है।

कंप्यूटर का निर्माण सर्वप्रथम 1883 ई चार्ल्स बैबेज नामक वैज्ञानिक ने किया।

Keywords / मुख्य बिन्दु

1883 ई, वैज्ञानिक आविष्कार, चार्ल्स बैबेज, मीडिया और कंप्यूटर

Discussion / चर्चा

कंप्यूटर का उपयोग आज अनेक क्षेत्रों में हो रहा है। यह मशीन आज हमारे आम जीवन का अंग बन गया है। आज इस अनोखे आविष्कार ने विज्ञान, दूरदर्शन, व्यापार, चिकित्सा, उद्योग और तकनीकी के अनेक क्षेत्रों में क्रांति पैदा कर दी है, रेलवेस्टेशन, हवाई अड्डों, अस्पतालों, बैंकों, घर आदि में कंप्यूटर का उपयोग अनिवार्य हो गया है। स्कूलों और कॉलेजों में इसका पूरा लाभ हो रहा है।

बीसवीं शताब्दी की तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रगति ने मनुष्य के जीवन में नई क्रांति उत्पन्न की हैं, कंप्यूटर के निर्माण से विश्व एक छोटे से ग्राम के रूप में बदला हुआ दिखाई देता है। मीडिया क्षेत्र में कंप्यूटर का उपयोग निरंतर हो रहा है। कंप्यूटर का निर्माण सर्वप्रथम 1883 ई में चार्ल्स बैबेज नामक वैज्ञानिक ने किया ।

1.1.1 कंप्यूटर की विशेषताएँ

1. **वेगः** कंप्यूटर की गणना करने का वेग बहुत ही तीव्र होता है। इसलिए गणना करने में बहुत उपयोगी सिद्ध हुई हैं। एक सेकंड में हजारों लाखों तक की जोड़ की क्रियायें यह कर सकते है यानि कंप्यूटर आंख झपकते ही लाखों गणनाएं कर सकता है। सुपर कंप्यूटर का वेग तो इतना अधिक है कि ये 1000 करोड निर्देश तक का, सेकंडों में पालन कर सकते हैं।
2. **संग्रहीत क्षमताः** कंप्यूटरों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अपनी इस स्मृति में सूचनाओं का विशाल भंडार संचित कर सकते हैं। आवश्यकता पडने पर संग्रहीत सूचनाओं को तीव्रता के साथ कंप्यूटर से पुनः प्राप्त किया जा सकता है। कंप्यूटर की संचयी क्षमता का ज्ञान होना भी बहुत जरूरी है।
3. **सत्यताः** सामान्यतः कंप्यूटर अपने आप कोई भी गलती

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

नहीं करता। यदि इससे किसी संख्या को एक लाख बार गुणा करने केलिए कहा जाए तब भी यह कोई त्रुटि नहीं करेगा। कंप्यूटर बिना त्रुटि के लिए अनेक परीक्षाओं का परिणाम तैयार करता है। परीक्षा की मार्कशीट तैयार करता है और ऐसे ही अनेक कार्य कर सकता है।

4. **लचीलापनः**

कंप्यूटरों के उपयोग अनेक क्षेत्रों में किए जा रहे हैं। इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि कंप्यूटर का उपयोग काफी विस्तृत है। यदि आपने जटिल समीकरण हल करने केलिए कंप्यूटर का वैज्ञानिक प्रयोग कर सकता है, तो एक घरेलू महिला भी इसे अपने घर के कामकाज केलिए प्रयोग कर सकती हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि कंप्यूटर के बहुत ही विस्तृत उपयोग है।

कंप्यूटर की सहायता से नई-नई संचार प्रणालियाँ विकसित हो रही है। आज का मानव किसी भी देश से संपर्क करने में सक्षम है। कंप्यूटरों का प्रयोग बैंकों तथा रेलों और हवाई जहाजों के टिकटों के आरक्षण में हो रहा है। इससे मनुष्य के कार्य का बोझ काफी हल्का हो गया है।

चर्चा के बिन्दुः Point of Discussion

- कंप्यूटर की मुख्य विशेषताएँ।
- आज का मशीनी युग।

Critical Overview / अवलोकन

कंप्यूटर का उपयोग आज अनेके क्षेत्रों में हो रहा है। आज वाणिज्य, संगीत, विज्ञान, व्यापार शिक्षण, जनसंचार आदि क्षेत्रों में कंप्यूटर ने अपना श्रेष्ठत्व सिद्ध कर दिया है। कंप्यूटर जनसंचार का इलेक्ट्रॉनिक माध्यम है। कंप्यूटर के निर्माण से मनुष्य के जीवन में नई क्रांति उत्पन्न की गयी है।

Recap /पुनरावृत्ति

- आज का मशीनी युग।
- कंप्यूटर की अवधारणा।
- 1883 ई।
- चार्ल्स बैबेज।
- कंप्यूटर का प्रमुख क्षेत्र।
- कंप्यूटर की मुख्य विशेषताएँ।
- कंप्यूटर का योगदान।

Objective questions /वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. कंप्यूटर का पिता कौन है?
2. कंप्यूटर का निर्माण किस वर्ष में हुई है?
3. कंप्यूटर के दो गुण लिखिए?

Answers /उत्तर

1. चार्ल्स बैबेज।
2. 1883 ई।
3. सत्यता और तीव्रता।

Assignments/प्रदत्त कार्य

1. मानव जीवन में कंप्यूटर का योगदान।
2. कंप्यूटर की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
3. कंप्यूटर के बारे में टिप्पणी लिखिए?
4. कंप्यूटर की तीव्रता के बारे में लिखिए?

SGOU

इकाई 2

कंप्यूटर के विभिन्न भाग, हार्ड वेयर और सॉफ्टवेयर, ऑपरेटिंग सिस्टम

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- कंप्यूटर के हार्डवेयर का परिचय प्राप्त होता है
- कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर के बारे में समझता है
- कंप्यूटर के ऑपरेटिंग सिस्टम का सामान्य परिचय प्राप्त होता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

सामान्य शब्दों में कंप्यूटर में, मौजूद भौतिक तत्व है जिन्हें हार्डवेयर कहते हैं। माउस, कीबोर्ड, प्रिंटर, मॉनिटर, मदरबोर्ड, राम(Ram) आदि उपकरण, हार्डवेयर है।

कंप्यूटर में हार्डवेयर का उपयोग किसी भी निर्देशक को निष्पादित करने केलिए सॉफ्टवेयर द्वारा निर्देशित किया जाता है। हार्डवेयर के मिलने से ही कंप्यूटर अपना पूर्ण रूप धारण करता है और, इसके बिना कंप्यूटर का कोई भी अस्तित्व नहीं है।

Keywords/ मुख्य बिन्दु

हार्डवेयर उपकरण, सॉफ्टवेयर, कंप्यूटरप्रोग्राम- ऑपरेटिंग सिस्टम

Discussion / चर्चा

1.2.1 कंप्यूटर हार्डवेयर

सामान्य शब्दों में कंप्यूटर में मौजूद भौतिक तत्व जिन्हें हम देखें और छू सकते हैं वे सभी उपकरण हार्डवेयर कहलाते हैं। हार्डवेयर के अंतरगत कीबोर्ड, माउस, मॉनिटर, प्रिंटर मदरबोर्ड, राम आदि उपकरण आते हैं। हार्डवेयर एक सामूहिक शब्द है जिसका उपयोग कंप्यूटर के विभिन्न अंगों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। कंप्यूटर में हार्डवेयर का उपयोग किसी भी निर्देश को निष्पादित करने के लिए सॉफ्टवेयर द्वारा निर्देशित किया जाता है। हार्डवेयर के मिलने से ही कंप्यूटर का अपना पूर्ण रूप धारण करता है और इसके बिना कंप्यूटर का कोई भी अस्तित्व नहीं है।

1.2.1.1 कंप्यूटर हार्डवेयर के भाग

1. **इंटरनल हार्डवेयरः-**

इंडियन ऑल हार्डवेयर कंप्यूटर के आंतरिक घटक होते हैं, जो दिखाई नहीं देते क्योंकि इस कंप्यूटर के अंदर मौजूद रहकर कार्य करते हैं। इंडियन गर्ल हार्डवेयर को देखने के लिए हम इन सीपीयू (CPU) को खोलना पड़ता है, जिसके बाद एक हमें दिखाई देते हैं।

कंप्यूटर के इंटरनल हार्डवेयर निम्नलिखित हैः-

1. मदरबोर्ड
2. राम (Ram): रानडम एक्सेस मेमरी (Ram Random Access Memory)
3. रोम (Rom): रीड ओनली मेमरी (Rom read only Memory)
4. सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (CPU)
5. हार्ड डिस्क ड्राइव
6. पावर सप्लाई यूनिट (PSU)
7. नेटवर्क कार्ड
8. ग्राफिक प्रोससिंग यूनिट(GPU)

2. **एक्सटर्नल हार्ड वेयर एक्सटर्नल हार्डवेयरः-**

एक्सटर्नल हार्ड वेयर कंप्यूटर के बाहरी घटक होते हैं, जिन्हें हम देख और छू सकते हैं इन्हें, पेरीफेरल कॉम्पोनेंट्स भी कहा जाता है इन हार्डवेयर में इनपुट और आउटपुट डिवाइस शामिल होते हैं।

एक्सटर्नल हार्ड वेयर के प्रकारः-

1. मॉनिटर
2. माउस
3. कीबोर्ड
4. प्रिंटर
5. स्पीकर
6. UPS (अनइंटरप्टिबल पावर सप्लाई)

1.2.2 कंप्यूटर सॉफ्टवेयर

सॉफ्टवेयर एक निर्देशों का समूह होता है, जो कंप्यूटर के विशिष्ट कार्य को पूरा करने के लिए आज्ञा या निर्देश देता है।

1.2.2.1 हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर

- हार्डवेयर एक भौतिक तत्व या घटक है जो कंप्यूटर से जुड़े रहते हैं।
  सॉफ्टवेयर एक निर्देशों का समूह होता कि जो कंप्यूटर के विशिष्ट कार्य को पूरा करने के लिए आज्ञा या निर्देश देता है।
- कंप्यूटर हार्डवेयर को हम छू व देख सकते हैं।
  कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को हम देख या छू नहीं सकते प्यह कंप्यूटर के अंदर कार्य करता है।
- हार्डवेयर में कंप्यूटर वायरस का कोई असर नहीं पड़ता है।
  सॉफ्टवेयर में वायरस का बहुत अधिक का प्रभाव पड़ता है, वायरस द्वारा सॉफ्टवेयर डैमेज हो जाता है।
- हार्डवेयर के खराब होने पर इसे ठीक कराया जा सकता है या बदलाना पड़ता है।
  सॉफ्टवेयर खराब होने पर इसकी बैकअप कॉपी को रीइंस्टॉल कर इसे दुबारा लाया जा सकते हैं।
- हार्डवेयर के नियंत्रण में सॉफ्टवेयर संचालित होता है सॉफ्टवेयर की performance हार्डवेयर पर निर्भर करती है।

सॉफ्टवेयर कंप्यूटर के संचालन को नियंत्रित करता है।

ऑपरेटिंग सिस्टम

- ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) सिस्टम सॉफ्टवेयर है जो कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर संसाधनों का प्रबंधन करता है और कंप्यूटर प्रोग्राम केलिए सामान्य सेवाएँ प्रदान करता है।
- टाइम-शेयरिंग ऑपरेटिंग सिस्टम सिस्टम के कुशल उपयोग केलिए कार्यों को शेड्यूल करता है और इसमें प्रोसेसर समय, मासस्टोरेज, प्रिंटिंग और अन्य संसाधनों के लागत आवंटन केलिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर भी शामिल हो सकता है।
- इनपुट और आउटपुट और मेमोरी आवंटन जैसे हार्डवेयर कार्यों केलिए, ऑपरेटिंग सिस्टम प्रोग्राम और कंप्यूटर हार्डवेयर के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है, कुछ ऑपरेटिंग सिस्टमों की सिस्टम आवश्यकताएँ कम होती हैं (उदाहरणकेलिए लाइट-वेट लिनक्स वितरण)। दूसरों के पास उच्च सिस्टम आवश्यकताएँ हो सकती हैं।
- कुछ ऑपरेटिंग सिस्टमों को इंस्टालेशन की आवश्यकता होती है या खरीदे गए कंप्यूटर (ओईएम-इंस्टॉलेशन) के साथ पहले से इंस्टॉल आ सकते हैं, जबकि अन्य सीधे मीडिया (यानी लाइवसीडी) या फ्लैश मेमोरी (यानी यूएसबी स्टिक) से चल सकते हैं।

चर्चा के बिंदुः Point of Discussion

- हार्डवेयर उपकरणों की कार्यप्रणाली।
- हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिवाइस में अंतर।
- ऑपरेटिंग सिस्टम की कार्यप्रणाली।

Critical Overview / अवलोकन

आधुनिक युग में कंप्यूटर मानव जीवन का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। कंप्यूटर के दो प्रमुख घटक हैं हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर। हार्डवेयर के नियंत्रण में सॉफ्टवेयर संचालित करता है सॉफ्टवेयर की परफॉर्मन्स हार्डवेयर पर निर्भर करती है।

Recap/पुनरावृत्ति

- आज का मशीनी युग।
- कंप्यूटर का निर्माण- 1883 ई।
- हार्डवेयर।
- हार्डवेयर उपकरण।
- सॉफ्टवेयर की आवश्यकता।
- हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, डिवाइस में अंतर
- कंप्यूटर की ऑपरेटिंग सिस्टम।
- ऑपरेटिंग सिस्टम की सेवाएँ।

Objective questions/वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. दो हार्डवेयर उपकरणों के नाम लिखिए।
2. सॉफ्टवेयर क्या है?
3. माउस सॉफ्टवेयर है या हार्डवेयर है ?
4. ऑपरेटिंग सिस्टम क्या है?

Answers /उत्तर

1. कीबोर्ड और मदरबोर्ड।
2. सॉफ्टवेयर निर्देशों का एक समूह होता है।
3. हार्डवेयर।
4. ऑपरेटिंग सिस्टम जो है, हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर संसाधनों का प्रबंधन करता है।

Assignments/प्रदत्त कार्य

1. कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के बारे में लिखिए।
2. हार्डवेयर माने क्या है? उदाहरण सहित व्यक्त करो।
3. कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर क्या है?
4. ऑपरेटिंग सिस्टम के बारे में टिप्पणी लिखिए।

इकाई 3

MS Office, Word, Excel, Power-Point, Internet, Blog, E-mail

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- इंटरनेट और ई-मेल सूचना प्रणाली केबारे में समझता है
- कंप्यूटर के इलेक्ट्रॉनिक सेवा केबारे में समझता है
- एम एस ऑफिस, वर्ड, एक्सल, पावरप्वाइंट आदि केबारे में जानकारी प्राप्त होता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

MS Office

कंप्यूटर यूजर केलिए एक सबसे पॉपुलर सॉफ्टवेयर है जो एक साधारण कंप्यूटर यूजर से लेकर एडवांस यूजर तक की बेसिक जरूरत को पूरा करता है।

इंटरनेट और ई-मेल सुविधा के आधार पर मनुष्य अपने घर में बैठे -बैठे कंप्यूटर पर देश-विदेश की इच्छित जानकारी तीव्र गति से प्राप्त कर सकता है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

सूचनाप्रणाली, विज्ञान का एक और करिश्मा, तीव्रता, सस्ती सॉफ्टवेयर

Discussion / चर्चा

1.3.1 माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस

एमएस ऑफिस जिसका पूरा नाम Microsoft Office है, यह Microsoft Corporation केद्वारा बनाया गया।

- Application Software का एक कम्पलीट पैकेज है जिसमे कई सारे उपयोगी Application Software आते है। MS Office एक General Purpose Software है जो Office, Home, Student तथा General Professional के कार्यो को करने के काम में आते है।
- MS Office कंप्यूटर यूजर के लिए एक सबसे पॉपुलर सॉफ्टवेयर है जो एक साधारण कंप्यूटर यूजर से लेकर एडवांस यूजर तक की बेसिक जरूरत को पूरा करता है।

1.3.1.1 माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के कॉम्पोनेन्ट

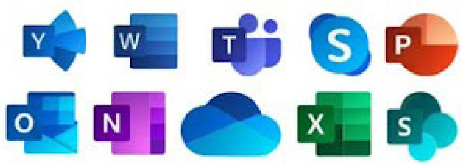

MS Office Package के अंतर्गत आनेवाले Component (Application Software) है....

- **Microsoft Word:-** यह एक Word Processing Program है जिसमे हम लोग किसी भी प्रकार की

Document को With Formatting Create करते है।

- **Microsoft Excel:-** यह एक Spreadsheet Program है जिसका उपयोग डेटा को Organize, Format तथा Calculate करने केलिए किया जा सकता है।
- **Microsoft PowerPoint:-** यह एक Presentation Creation Programe है जिसमे हम लोग School, College, Office इत्यादि केलिए अच्छी Presentation बना सकते है।
- **Microsoft Access:-** यह एक Database Management Program है जिसमे छोटी से लेकर बड़ी-बड़ी Database को एक सही तरीके में रख सकते है। इसमें हमें Form, Table, Report इत्यादि Create करने की पूरी सुविधा मिलती है।
- **Microsoft Publisher:-** यह Desktop Publishing के काम में आनेवाले Program है जिसमे हम लोग व्यक्तिगत या व्यावसायिक जरूरतों केलिए Template, Business Card, Calendar, Brochure, Newsletter इत्यादि बना सकते हैं।
- **Microsoft Outlook:-** यह माइक्रोसॉफ्ट केद्वारा दिया जानेवाला एक Email Management Program है जिसका उपयोग स्टैंड-अलोन ऐप के रूप में किया जा सकता है। इसको हम एक प्रकार से Email Box की तरह इस्तेमाल करते हैं।
- **Microsoft One Note:-** यह एक प्रकार का Digital Notebook है जिसका उपयोग हम लोग कोई भी Note लिखने केलिए करते हैं। इसमें डाटा Automatically Save तथा Synchronize होते रहते हैं।

1.3.1.2 माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस का इतिहास

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के इतिहास की बात करें तो यह C++ Programming Language में लिखा गया 30 साल पुराना Software है, इनकी शुरुवात सर्वप्रथम सन् 1989 में माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन द्वारा पहले म्ङड़ ऑपरेटिंग सिस्टम केलिए किया गया, उसके बाद सन् 1990 में Microsoft Windows के लिए प्रथम संस्करण लाया गया फिर आगे कई संस्करण आये, वर्तमान में "Microsoft Office - 2021" इसका नवीनतम संस्करण है।

प्रथम संस्करण के दौरान यह बहुत ही साधारण था साथ ही उस वक्त इसमें केवल Word, Excel तथा Power Point ही था वो भी बहुत ही कम फंक्शन के साथ। परंतु जैसे-जैसे इसके नए-नए संस्करण आते गए इनमे काफी बदलाव होता गया। आज के Office की बात करें तो यह Windows तथा Mac दोनों केलिए काफी Advance हो चूका है इसमें कई सारे नए-नए फंक्शन जोड़े जा चुके है। आज यह केवल Computer Platform तक ही सीमित नहीं है बल्कि Smartphone, Tablet इत्यादि केलिए भी MS Office की Android Version उपलब्ध है।

1.3.1.3 माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के संस्करण

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस का पहला वर्जन MS Office 1.0 था। इसके बाद इस सॉफ्टवेयर में लगातार नए अपडेट्स किया जाता रहा है और साथ ही समय-समय पर इसके नए वर्जन भी लाए गए। इसके नए वर्जन में फीचर्स के साथ-साथ दुसरे प्रोग्राम भी जोड़े गए हैं जिसके कारण वर्तमान में इसके पैकेज में कई सारे नए प्रोग्राम्स जोड़े जा चुके है।

Windows OS केलिए आजतक MS Office के निम्नलिखित Version Release किए गए हैं:-

YEAR - VERSIONS

- 1990 - MS Office 1.0
- 1992 - MS Office 3.0
- 1995 - MS Office 95
- 1997 - MS Office 97
- 2000 - MS Office 2000
- 2002 - MS Office 2002
- 2003 - MS Office 2003
- 2007 - MS Office 2007
- 2010 - MS Office 2010
- 2013 - MS Office 2013
- 2016 - MS Office 2016
- 2019 - MS Office 2019
- 2021 - MS Office 2021

1.3.1.4 माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस की विशेषताएँ

- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस की एडवांटेज की बात करें तो इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह User Friendly & Easy To Use है।
- इसके किसी एक Program पर कार्य कर लेने पर इसके सारे Program को यूज़ करना आसान हो जाता है, इसके सारे प्रोग्राम के ज्यादातर आप्शन एक दुसरे से मिलता-जुलता है।
- MS Office के Package में एक साथ कई प्रोग्राम आते हैं जो अलग-अलग तरह के कार्यों को करने की

सुविधा प्रदान कराता है।

- MS Office पोपुलर होने के कारण इसे हर एक छोटे-बड़े कोर्सेज में शामिल कर लिया गया है जिससे इसे सीखना आसान है।
- यह बहुत ही सस्ती सॉफ्टवेयर है तथा आसानी से उपलब्ध है।
- इसका Installation भी बहुत ही आसान है।
- इसमें माइक्रोसॉफ्ट के द्वारा समय-समय Update दिया जाता है, जिसमे इसके सिक्यूरिटी को बढाया जाता है, Bug को हटाया जाता है तथा नए फीचर जोड़े जाते हैं।
- आजकल के Latest PC में ज्यादातर MS Office Pre Installed रहते हैं।

1.3.2 Blog

1.3.2.1 Blog Meaning ब्लॉग का मतलब

सरल शब्दों में Blog Meaning है अपने विचारों, भावनाओं, ज्ञान या किसी भी जानकारी को लिखकर डिजिटल माध्यम के द्वारा लोगों तक पहुँचना ब्लॉग कहलाता है यह एक डायरी की तरह है जिसमें आप जो चाहें लिख सकते हैं।

मुख्य रूप से ब्लॉग दो प्रकार के होते हैं एक वह जो सिर्फ़ अपनी भावनाओं, विचारों और जीवन के अनुभव को साझा करने केलिए बनाये जाते हैं और दूसरे वह जिनका उद्देश्य ब्लॉग बनाकर पैसे कमाना हैं और वह उसके लिए विभिन्न प्रकार के ब्लॉग बनाते हैं।

इंटरनेट पर हर दिन हजारों Blog बनायें जाते हैं जैसे News Meto यह भी एक ब्लॉग हैं जिसका उद्देश्य आपको सही बात पूरी जानकारी के साथ प्रदान करना हैं इसलिए हमनें इंडिया के Best Hindi Blog जो हजारों-लाखों रुपये कमाते हैं इसके बारे में भी आर्टिकल लिखा है।

Blog हर वह व्यक्ति बना सकता है जिसे Basic Computer का ज्ञान है लेकिन Blogging करने केलिए आपको आर्टिकल कैसे लिखे आना चाहिए क्योंकि यह एक जरिया है जिसके द्वारा आप अपने ब्लॉग को एक सफ़ल ब्लॉग बना सकते हैं और उसे हजारों-लाखों रूपये कमा सकते हैं।

अगर आप ब्लॉग बनाकर काम करने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको इस फील्ड में इस्तेमाल होनेवाली कुछ चीजों की जानकारी होनी चाहिए जो इस प्रकार है-

1. **Micro Blog-** ब्लॉग बनाकर किसी एक ही विषय पर सभी जानकारी के बारे में लिखना Micro Blog कहलाता है।
2. **Event Bloging-** इस तरह के ब्लॉग को आनेवाले त्योहारों, घटना इत्यादि पर बनाया जाता है जिसे इवेंट ब्लॉगिंग कहा जाता है।
3. **Blogging-** जो व्यक्ति अपना ख़ुद का ब्लॉग बनाकर उसपर समय-समय पर आर्टिकल लिखता है उसे Blogging कहा जाता है।
4. **Blogger-** ब्लॉग बनाकर उसपर काम करनेवाले व्यक्ति को Blogger कहा जाता है जो पूरी तरह ब्लॉग को सम्भलता है।
5. **Blog Post-** ब्लॉग पर आपके द्वारा लिखे गए आर्टिकल को Blog Post या ब्लॉग आर्टिकल कहा जाता है।
6. **Blogger.Com-** यह गूगल एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसकी मदद से आप और अपने ब्लॉगिंग कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं।

चर्चा के बिंदुः Point Of Discussion

- एमएस ऑफिस सबसे पॉपुलर सॉफ्टवेयर है।
- ब्लॉग की आवश्यकता।

Critical Overview / अवलोकन

इंटरनेट दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सूचना प्रणाली है वास्तव में इंटरनेट नेटवर्कों का जाल है। सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों, संस्थाओं में कंप्यूटर का प्रयोग हो रहा है। मीडिया के रूप में समाचार पत्र-पत्रिकाएँ आदि के मुद्रण के लिए कंप्यूटर का उपयोग अनिवार्य हो गया है। एमएस ऑफिस बहुत ही सस्ती सॉफ्टवेयर है तथा आसानी से उपलब्ध है।

Recap/पुनरावृत्ति

- आज का मशीनी युग।
- कंप्यूटर का निर्माण।
- कंप्यूटर का योगदान।
- हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर।
- एमएस ऑफिस।
- एमएस ऑफिस की आवश्यकता
- फेमस ऑफिस की योगदान।
- पावर पॉइंट (power point)
- एक्सेल (Excel)
- इन्टर नेट (Internet)
- ब्लॉग (blog)

Objective questions /वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. एमएस ऑफिस सॉफ्टवेयर है या हार्डवेयर?
2. एक प्रेजेंटेशन प्रोग्राम का नाम लिखिए।
3. एक spreadsheet प्रोग्राम का नाम लिखिए।
4. इंटरनेट क्या है?

Answers/उत्तर

1. सॉफ्टवेयर।
2. पावर पॉइंट।
3. एमएस एक्सल
4. इंटरनेट दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सूचना प्रणाली है।

Assignments/प्रदत्त कार्य

1. MS Office के बारे में लिखिए।
2. Blog संक्षिप्त विवरण दीजिए।
3. इंटरनेट के बारे में लिखिए?
4. Blog माने क्या है?
5. एमएस ऑफिस की विशेषताएँ क्या है?

Reference सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. मीडिया और हिन्दीः डॉ. पंडित बन्नै। अमन प्रकाशन /उत्तर प्रदेश।
2. कामकाजी हिन्दी शब्द संरचनाः गणपति भोटल रामनारायण, जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखनः प्राचार्य डॉ बाबुराव देसाई, विकास प्रकाशन कानपुर।
4. इंटरनेट, विकीपीडिया

SGOU

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

BLOCK 02

भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयर और हिन्दी कंप्यूटिंग

SGOU

इकाई 1

भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयर

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- हिन्दी भाषा की संविधानिकता के बारे में समझता है
- राजाभाषा संबंधित वेबसाइटों का परिचय प्राप्त होता है
- केंद्र सरकार के सभी वेबसाइट द्विभाषि (हिन्दी-अंग्रेजी) में उपलब्ध है, इसका परिचय प्राप्त होता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

सूचना प्रौद्योगि की एक सरल तंत्र है जो तकनीकी उपकरणों के सहारे सूचनाओं का संकलन, प्रक्रिया एवं संप्रेषण करता है।

भारत एक बहुभाषिक देश है। इंटरनेट प्रणाली के महाशक्तिशाली तंत्र में भाषा का अपना एक विशिष्ट स्थान होता है। वर्तमान स्थिति में वैबसाइट पर हिन्दी इलेक्ट्रॉनिक शब्दकोष उपलब्ध है। इसी तरह अंग्रेज़ी तथा भारतीय भाषाओं में पारस्पारिक अनुवाद प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

हिन्दी में वेबसाइट, सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी, केंद्र सरकार के सभी वेबसाइट द्विभाषि में

Discussion / चर्चा

2.1.1 भारतीय भाषाओं में कंप्यूटर का विकास

यूनेस्को एवं अभियांत्रिकी शाखा है, जो सूचनाओं के तंत्र को विकसित करके उसका प्रयोग कंप्यूटर के माध्यम से करते हुए मानव और मशीन के बीच सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवेश को सुदृढ़ औ रसबल बनाती है।

सूचना प्रौद्योगिकी एक सरल तंत्र है जो तकनीकी उपकरणों के सहारे सूचनाओं का संकलन, प्रक्रिया एवं संप्रेषण करता है।

भारत एक बहुभाषिक देश है। भारतीय संविधान में राजभाषा हिन्दी सहित कुल 22 भाषाओं को स्थान प्राप्त हुआ है। भाषावार प्रांत रचना के फलस्वरूप विभिन्न प्रातों में अलग-अलग भाषाओं का प्रचलन बढ़ गया है। विभिन्न भारतीय भाषाओं केबीच हिन्दी भाषा एक पुल है जिसके सहारे विभिन्न भारतीय भाषाओं में समन्वय निर्माण किया गया है। देश के अधिकांश भागों में धर्म, व्यापार, पर्यटन के क्षेत्र में हिन्दी भाषा का समुचित प्रयोग किया जाता है।

औद्योगिक क्रांति में मशीनों के सहारे उत्पादकता बढ़ी है और गुणवत्ता में एकरूपता आई है। 1947 में ट्रांज़िस्टर, 1971 में माइक्रोप्रोसेसर के विकास से कंप्यूटर का आकार छोटा और गणनाशक्ति विशाल हो गई है। छोटे और अधिक शक्तिशाली

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

कंप्यूटर के द्वारा व्यापार, शिक्षा, कार्यालय आदि अनेक क्षेत्रों में तेज़ी से विकास हुआ है। कंप्यूटर में हिन्दी प्रयोग की बढ़ती संभावनाओं को ध्यान में रखकर इलेक्ट्रानिकी विभाग ने 'भारतीय भाषाओं केलिए टेक्नॉलॉजी विकास नामक परियोजना के अंतर्गत कई प्रोजेक्ट शुरू किए हैं।' संघ की राजभाषा नीति के अनुसार हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने केलिए सभी सरकारी अर्धसरकारी, उद्यमों में हिन्दी भाषा का प्रयोग अनिवार्य किया गया है। किसी भी प्रजातंत्र में सरकारी अथवा निजी संगठन में जनभाषा का सम्मान करना फलप्रद होता है। सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने केलिए सूचनाओं का माध्यम जनभाषा होना ज़रूरी है। सूचना प्रौद्योगिकी एक शास्त्रीय, तकनीकी, प्रबंधकीय इंटरनेट प्रणाली के महाशक्तिशाली तंत्र में भाषा का अपना एक विशिष्ट स्थान होता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अंग्रेज़ी, मंडारिन, फ्रांसीसी, जापानी, अरबी, स्पेनिश आदि भाषाएँ कंप्यूटर क्षेत्र में काफ़ी आगे बढ़ गई है। साथ ही इनका प्रयोग भी। दुर्भाग्य से भारत में कंप्यूटर पर भारतीय भाषाओं का प्रचार-प्रसार बहुत धीमी गति से हुआ है। आज हम दूरदर्शन पर जापानी या चीनी शेअर बाज़ार का दृश्य देखते हैं तब यह मालूम होता है कि वहाँ के सभी बोर्ड, सूचनाएँ जापानी या चीनी भाषा में प्रदर्शित होते हैं। हमारे देश में शेअर बाज़ार का दृश्य कुछ अलग होता है। आम भारतीय निवेशक अपनी पूँजी भारतीय अथवा विदेशी कंपनियों के शेअरों में केवल अंग्रेज़ी भाषा में उपलब्ध प्रपत्र में ही प्रस्तुत करने केलिए विवश है। भाषाओं की इस असुविधा को हटाना ज़रूरी है। आर्थिक उदारीकरण के तहत भारत के बाज़ार विदेशी कंपनियों केलिए खुले किए जारहे हैं। विदेशी कंपनियाँ भारतीय उपभोक्ताओं को आकर्षित करने हेतु भारतीय भाषाओं का बखूबी से प्रयोग कर रही हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के तहत मशीनी अनुवाद एवं लिप्यंतरण सहज एवं सरल हो गया है। सी-डैक पुणे ने सरकारी कार्यालयों केलिए अंग्रेज़ी-हिन्दी में पारस्पारिक कार्यालयीन सामग्री का अनुवाद (निविदा सूचना, स्थानांतरण आदेश, गज़ट परिपत्र आदि) करने हेतु मशीन असिस्टेड ट्रांसलेशन 'मंत्रा' पॅकेज विकसित किया है। हिन्दी भाषा में वैब पेज विकसित करने हेतु 'प्लगइन' (Plug in) पॅकेज तैयार किया है जिससे कोई भी व्यक्ति/संस्था अपना वैबपेज हिन्दी में प्रकाशित कर सकता है।

अब वर्तमान स्थिति में वैबसाइट पर हिन्दी इलेक्ट्रॉनिक शब्दकोष उपलब्ध है। इसी तरह अंग्रेज़ी तथा भारतीय भाषाओं में पारस्पारिक अनुवाद प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध है। कन्नड हिन्दी के बीच 'अनुसारक' सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। हिन्दी और दक्षिण भारतीय भाषाओं केबीच अनुवाद सॉफ्टवेयर का विकास आई.आई.टी. कानपुर तथा हैदराबाद विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। अंग्रेज़ी हिन्दी अनुवाद हेतु एम.सी.एस.टी. में समाचारपत्रों एवं कहानियों केलिए तथा सी-डैक पुणे में प्रशासनिक सामग्री केलिए विशेष सॉफ्टवेयर विकसित किए गए हैं। सी-डैक पुणे द्वारा निर्मित लीप-ऑफ़िस सॉफ्टवेयर में अंग्रेज़ी हिन्दी शब्दकोष, अनुवाद, समानार्थी शब्दकोष, हिन्दीमें ई-मेल आदि अंग्रेज़ी भाषा के समकक्ष सभी सुविधाओं को प्रस्तुत किया गया है।

कंप्यूटर एवं इंटरनेट के सहारे शिक्षा का प्रसार तीव्र गति से होने की संभावना बढ़ गई है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात की सुविधा के अभाव स्वरूप कई बच्चे स्कूल नहीं जा सकते। हर गाँव में पाठशाला का प्रबंध सरकार द्वारा किया जाता है, लेकिन प्रशिक्षित शिक्षक एवं साधन सामग्री के अभाव के फलस्वरूप शिक्षा का प्रसार बहुत धीमी गति से हो रहा है। आनेवाले दिनों में हर स्कूल, महाविद्यालय में कंप्यूटर एवं इंटरनेट सेवा अनिवार्य हो जाएगी। एन.आय.सी पुणे ने वारणानगर गोकुल दूध डेअरी परिसर हेतु कंप्यूटर पर मराठी भाषा को स्थापित किया है। इसके द्वारा ग्रामीण किसान व छात्र अपनी भाषा में कंप्यूटर के सहारे दैनंदिन कामकाज करने में सक्षम हो गए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी में हिन्दी भाषा का प्रचलन धीरे-धीरे बढ़ रहा है। माइक्रोसॉफ्ट, याहू, रेडिफ आदि विदेशी कंपनियों ने अपनी वैबसाइट पर हिन्दी भाषा को स्थान दिया है। बी.बी.सी. ने भी पंजाबी, बंगाली के साथ-साथ हिन्दी में वैबसाइट विकसित की है। सूचना प्रौद्योगि की में ई-कॉमर्स, ई-गवर्नस क्षेत्र में हिन्दी का विकास धीरे-धीरे हो रहा है। भारत सरकार के नेशनल सेंटर फार सॉफ्टवेअर टेक्नॉलॉजी (NCST) ने सभी भारतीय भाषाओं की लिपि को कंप्यूटर पर स्थापित करने हेतु विशेष अभियान चलाया है। अमेरिकन माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने एन.सी.एस.टी के साथ एक संयुक्त योजना के तहत विश्वप्रसिद्ध विंडोज़ प्रणाली पर भारतीय भाषाओं को विकसित करने का कार्य शुरू किया है। एम.एस ऑफ़िस सॉफ्टवेअर-2000 के दक्षिण एशियाई संस्करण में अब तमिल और देवनागरीलिपि को स्थापित किया गया है। भारत की आम जनता भारतीय भाषाओं में तथा दृश्यचित्र और स्पर्श के सहारे कंप्यूटर का प्रयोग सभी क्षेत्रों में कर सकेगी।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने खारघर (नईमुंबई) स्थित छः एकड़ भूमि में पच्चीस करोड़ राशि की

लागत से भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेअर विकसित करने हेतु कार्य शुरू किया है। सी-डैक ने इंड बाज़ार डॉट कॉम (Ind-bazaar.com) के सहयोग से हिन्दी भाषा सीखने हेतु 'लीला' नामक वैबसाइट उपलब्ध करवाई है। इस वैबसाइट के सहारे भारतीय भाषाओं की पढ़ाई ऑनलाइन मुफ़्त प्रदान की जा रही है। संस्कृत भाषा का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व ध्यान में रखते हुए सी-डैक ने चारों वेद एवं अन्य पौराणिक ग्रंथों को व्यास नामक वैबसाइट पर प्रकाशित किया है। रेडिफ, भारतमेल, जिस्टमेल, अपनामेल, वी.एस.एन.एल., वैबदुनिया, जागरण आदि अनेक भारतीय एवं विदेशी साईट पर भीई-मेल में हिन्दी की सुविधा बहाल की गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के आधुनिक उपकरणों का प्रसार आम जनता तक पहुँचाने हेतु सिम कंप्यूटर जैसे सस्ते उपकरण उपलब्ध करवाने हेतु सरकार प्रयत्नशील है।

विज्ञान का अंतिम लक्ष्य साधारण ग़रीब व्यक्ति के आर्थिक सामाजिक विकास में सहायता करना है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय युवकों ने अपनी प्रतिभा एवं अंग्रेज़ी भाषा पर प्रभुत्व के कारण अमेरिका के सिलीकॉन वैली में कार्यरत माइक्रोसॉफ्ट, पैंटियम, इंटेल आदि कंप्यूटर क्षेत्र में 50 प्रतिशत भागीदारी दर्ज़ है। विदेशी कंपनियों के सीमित लक्षय को ध्यान में रखते हुए भारतीय युवक कुछ कालावधि केलिए अनुबंध करके विदेश में चले जाते हैं। लेकिन बदली आर्थिक स्थिति में विदेशी कंपनियाँ भारतीय युवकों को अनुबंध भंग करके लौटा रहे हैं। विदेश में प्रशिक्षित कंप्यूटर इंजीनियर को आकर्षित करके भारतीय भाषाओं को सूचना प्रौद्योगिकी में विकसित करना चाहिए।

भारत में नव-निर्मित सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह जान लिया है कि देश में डिजिटल विभाजन बढ़ गया है। इंटरनेट का प्रयोग कुछ सीमित अंग्रेज़ी जाननेवाले अमीर लोगों तक सीमित है। ग्रामीण क्षेत्र में दूरसंचार नेटवर्क विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इंटरनेट विकास हेतु दूरसंचार क्षेत्र को आधार बनाया गया है। नेशनल इंटरनेट बैकबोन (राष्ट्रीय इंटरनेट ढाँचा) विकसित करने में दूरसंचार की अहम भूमिका होगी। विदेश की तुलना में भारत में दूर संचार घनता प्रति व्यक्ति दो या तीन है जबकि चीनी, जापान आदि एशियन देशों में यह प्रतिशत 15-20 तक है।

भारत सरकार की नीति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र का राजस्व रिकार्ड भारतीय भाषा में विकसित किया जा रहा है। लैंडरिकार्ड नामक महत्वाकांक्षी योजना में हिन्दी भाषा का प्रयोग बढ़ने की संभावना है। आनेवाले दिनों में /उत्तर भारत का साधारण पटवारी लैंड रिकार्ड हिन्दी में कंप्यूटर पर तुरंत प्रस्तुत करेगा।

कंप्यूटर की सहायता से विश्वविद्यालय, स्कूल में शिक्षा का प्रसार बढ़ाया जा सकता है। आज अमेरिका में एम.आई.टी. संस्था ने अपने सभी पाठ्यक्रम इंटरनेट पर मुफ़्त प्रस्तुत किए हैं। डिप्लोमा से लेकर पी-एच.डी, डी-लिट तक सभी पाठ्यक्रम विश्व के किसी भी कोने में बैठकर इंटरनेट द्वारा हासिल किए जा सकते हैं।

स्कूली स्तर पर हिन्दी भाषा का पाठ्यक्रम प्रयोजनमूलक बनवाकर विज्ञान, गणित, वाणिज्य आदि विषयों के साथ ताल मेल बैठाया जाए तथा यह सामग्री इंटरनेट पर जोड़ी जाए जिससे छात्र हिन्दी पाठों को रूचि से पढ़े तथा हिन्दी को व्यवहार में लाए। आंतरिक प्रतिभा का विकास करने हेतु विचार अभिव्यक्ति का माध्यम मातृभाषा में होना ज़रूरी है।

इंजीनियरिंग, मेडिकल और प्रबंधन में स्नातक स्तर पर हिन्दी भाषा में जनसंपर्क प्रोजेक्ट अनिवार्य हो जिससे वे लोकभाषा हिन्दी में सूचना संग्रह कर सकें।

समाजोपयोगी कार्यक्रमों को आम लोगों को समझा ने में समर्थ हो सकें। विचारणीय है कि यदि हमारे इंजीनियर, डॉक्टर, प्रबंधक उपयुक्त टेक्नॉलॉजी और तकनीक को जनसामान्य को जितने प्रभावी ढंग और आसानी से समझा सकेंगे देश की उन्नति तेज़ हो जाएगी। देश की प्रगति और लोकभाषा में संप्रेषण समता केबीच सीधा संबंध है।

भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के नीति निर्धारण में हिन्दी भाषा को समुचित स्थान प्राप्त होना चाहिए। भारत सरकार के कई मंत्रालयों एवं विभागों की साईट पर डायनैमिक हिन्दी फॉन्टस के अभाव स्वरूप साईट पढ़ने में दिक्कतें आ जाती है। हर बार अलग-अलग फांटडाउन लोड करना और उसे पढ़ना असुविधा जनक महसूस होता है। सभी सरकारी वैबसाइट द्विभाषी (हिन्दी-अंग्रेज़ी) होनी चाहिए लेकिन इस दिशा में बहुत कम प्रयास किए जा रहे हैं। अंग्रेज़ी वैबसाइट की तुलना में संबंधित हिन्दी वैबसाइट बहुत संक्षिप्त एवं अनाकर्षक होती है। राजभाषा नियम के अनुसार सभी वैबसाइट हिन्दी में तैयार करना अनिवार्य है।

इंटरनेट सेवा के अंतर्गत ई-मेल, चॅटिंग, वाइसमेल, ई-ग्रीटिंग आदि बहुपयोगी क्षेत्र में हिन्दी भाषा का विकास एवं संप्रेषण की

संभावनाएँ अधिक है। स्पीच रिकग्नीशन (Speech Recognition) यह एक ध्वनि आधारित कंप्यूटर सॉफ्टवेअर है। वर्तमान स्थिति में यह पैकेज अंग्रेज़ी भाषा में उपलब्ध है। सी-डैक यह सुविधा हिन्दी में उपलब्ध करवाने हेतु अनुसंधान कर रही है। स्पीच रिकग्नीशन के सहारे अनपढ़ व्यक्ति भी कंप्यूटर के सामने बैठकर अपने विचार, शिकायत, सुझाव आदि बोलकर अपनी भाषा में संबंधित कंप्यूटर पर लिपिबद्ध कर सकता है। कंप्यूटर पर हिन्दी भाषा ध्वनि, चित्र, एनीमेशन के सहारे विकसित की जा रही है।

2.1.2 विश्वजाल पर हिन्दी और भारतीय भाषाओं का प्रसार

सूचना प्रौद्योगिकी के बदलते परिवेश में हिन्दी भाषा ने अपना स्थान धीरे-धीरे प्राप्त कर लिया है। आज हमारी मानसिकता में बदलाव लाने की ज़रूरत है। आधुनिकीकरण के दौर में भाषा भी अपना स्थान ग्रहण कर लेती है। हिन्दी की उपादेयता पर कोई भी प्रश्नचिह्न लगा नहीं सकता। लेकिन संकुचित स्वार्थ के कारण भारतीय भाषाओं को नकारना हमारी मानसिक गुलामी की निशानी है।

आज भले ही चीन, जापान, रूस, जर्मनी, अरब आदि अंग्रेज़ीतर देशों ने अपनी भाषा में विकास किया हो, लेकिन भारत में अगर राजभाषा, संपर्क भाषा, लोक भाषा को हम विकसित नहीं कर पाए तो यह हमारी ही रहेगी। जिस देश के नवयुवकों ने कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्रणाली को विकसित किया है, उसी देश की जनता को विदेश की ओर मुँह ताकना पड़ता है। इस स्थिति में बदलाव लाने की ज़रूरत है। भाषा का संबंध जिस तरह मन, बुद्धि से होता है, उसी तरह उसका संबंध हर व्यक्ति के रोजी रोटी तथा पारिवारिक विकास से भी जुड़ा होता है। इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी के नए तंत्र को समझ लेना चाहिए। विश्व स्तर के कई सॉफ्टवेयरों में अभी तक हिन्दी का समावेश नहीं किया गया है।

निम्नलिखित इंटरनेट साइट पर हिन्दी सहित प्रमुख भारतीय भाषाओं केलिए उपयुक्त संपर्कसूत्र, ई-मेल, सॉफ्टवेयर आदि जानकारी उपलब्ध है।

1. **www.rajbhasha.nic.in**

राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार की इस साइट पर राजभाषा हिन्दी संबंधित नियम, अधिनियम, वार्षिककार्यक्रम, तिमाही, अर्धवार्षिक, वार्षिक, विवरण हिन्दी सीखने केलिए लिला-प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञपॅकेज आदि महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। इस साइट पर उपलब्ध जानकारी सभी सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों, उद्यमों केलिए उपयुक्त हैं।

2. **www.rajabhasha.com**

इस साइट पर राजभाषा हिन्दी संबंधित नियम, साहित्य, व्याकरण, शब्दकोश, पत्रकारिता, तकनिकी सेवा, हिन्दी संसार, पूजा-अर्चना, हिन्दी सीखें आदि संपर्क सूत्र उपलब्ध है।

3. **www.indianlanguages.com**

इस साइट पर हिन्दी सहित सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं केलिए साहित्य, समाचार-पत्र, ई-मेल, सर्च-इंजन आदि महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है।

4. **www.tdil.mit.gov.in**

सूचना पौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं केलिए प्रौद्योगिकी विकास (Technology Development For Indian Languages) नामक इस साइट पर राजभाषा हिन्दी विकास संबंधित तकनीकी जानकारी, साफ्टवेयर अनुसंधानरत संघटनों की जानकारी, भारत सरकार की योजना-भाषा-2010 आदि उपलब्ध है। इस साइट की इलेक्ट्रॉनिक पत्रिका 'विश्वभारत' अत्यंत उपयोगी है। इस साइट पर ऑनलाईन अनुवाद सेवा 'आंग्ल भारती' जो आई.आई. टी. कानपुर ने प्रदान की है। भारतीय भाषाओं केलिए उपयुक्त तकनीकी जानकारी उपलब्ध है।

5. **www.cdacindia.com**

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं केलिए इस साइट पर सॉफ्टवेयर, तकनीकी विकास संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदानकी है। हिन्दी, मराठी, संस्कृत और कोकणी भाषाओं केलिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

6. **www.dictionary.com**

इस साइट पर विश्व की प्रमुख भाषाओं के शब्दकोश, अनुवाद, समानार्थी शब्दकोश, वैब डिरेक्टरी, वायरलेस मोबाइल शब्दकोश तथा व्याकरण संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है।

7. **भारतीय वैब सर्च इंजन:**

www.searchindia.com
www.jadoo.com
www. khoj.com
www.iloveindia.com
www.123india.com
www.samilan.com
www.samachar.com
www.search.asiaco.com
www.rekha.com
www.sholay.com
www.locateindia.com

www.mapsofindia.com
www.webdunia.com
www.netjal.com
www.indiatimes.com

8. **www.wordanywhere.com**

इस साइट पर हिन्दी सहित विश्व की सभी भाषाओं को सीखने केलिए इलेक्ट्रानिक सुविधाएँ उपलब्ध है। विश्व की 80 भाषाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने हेतु पर्यटकों केलिए Gold Partner V6 नामक उपलब्ध है।

9. **www.wordanywhere.com**

इस साइट पर किसी भी अंग्रेज़ी शब्द का हिन्दी समानार्थी शब्द तथा किसी हिन्दी शब्द का अंग्रेज़ी समानार्थी शब्द प्राप्त किया जा सकता है।

10. **हिन्दी में ई-मेल की सुविधाएँ:**

www.epatr.com
www.mailjol.com
www.langoo.com
www.cdacindia.com
www.bharatmail.com
www.rediffmail.com
www.webdunia.com
www.danikragran.com
www.rajbhasha.nic.in

11. **www.bharatdarshan.co.nz**

न्यूजीलैंड में बसे मूल भारतीय लोगों ने इस साइट पर हिन्दी साहित्य, कविताएँ, लघुकथाएँ, व्याकरण आदि सामग्री प्रस्तुत की है।

12. **www.boloji.org**

पारिवारिक रंगारंग पत्रिका जिसमें हिन्दी साहित्य, कला, संस्कृति आदि संबंधित संकलन उपलब्ध है।

13. **www.unl.ias.unu.edu**

टोकिया विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इस साइट पर हिन्दी सहित विश्व की 15 भाषाओं के विकास केलिए अनुसंधान कार्य जारी है। इस योजना का नाम Universal Net Working Languages रखा है, जिसमें सभी शब्द कोश तथा अनुवाद कार्य के सहारे विश्व शांति एवं एकता स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। विश्व की प्रमुख 15 भाषाओं में हिन्दी को कंप्यूटर में विकसित किया जा रहा है।

14. **www.hindinet.com**

इस साइट पर हिन्दी भाषा संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी, संपर्क सूत्र उपलब्ध है। हिन्दी पाठकों, भाषाशास्त्री तथा छात्रों केलिए अत्यंत उपयुक्त साईट।

15. **www.microsoft.com/india/hindi2000**

विश्व प्रसिद्ध माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने हिन्दी भाषा के लिए एम एस ऑफ़िस-2000 पॅकेज विकसित किया है। माइक्रोसॉफ्ट के अन्य उत्पादों में हिन्दी को शामिल किया गया है।

16. **www.cstt.nic.in**

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार द्वारा विकसित इस साइट पर प्रशासनिक शब्दकोश सहित अनेक विषयों के तकनीकी शब्दकोश प्रस्तुत किए गए हैं। हिन्दी, अंग्रेज़ी के लिए उपलब्ध शब्द-कोश कार्यालयों केलिए काफ़ी उपयोगी है।

17. **www.ciil.org**

केंद्रिय भारतीय भाषा संस्थान, भारत सरकार ने सभी भारतीय भाषाओं के विकास केलिए इस साइट का निर्माण किया है। सभी भारतीय भाषाओं में पारस्पारिक आदान-प्रदान केलिए यह संस्थान विशेष कार्य कर रहा है।

18. **www.gadnet.com**

इस साइट पर हिन्दी भाषा का इतिहास, हिन्दी की कविताएँ, गीत आदि साहित्य उपलब्ध है।

19. **www.nidatrans.com**

इस साइट पर हिन्दी, अंग्रेज़ी, तमिल, तेलुगु भाषाओं केलिए अनुवाद, डीटीपी आदि सेवा उपलब्ध है।

20. **www.shamema.com**

इस साइट पर हिन्दी, अंग्रेज़ी, उर्दू, पख्तु, पाश्तो भाषाओं केलिए समानार्थी शब्द प्राप्त किया जा सकते हैं।

21. **www.hindibhasha.com**

इस साइट पर हिन्दी भाषा केलिए उपयुक्त जानकारी उपलब्ध है।

चर्चा के बिंदु: Point of Discussion

- हिन्दी में उपलब्ध वेबसाइट।
- हिन्दी भाषा की संवैधानिक प्रावधान।

Critical Overview / अवलोकन

सूचना प्राद्योगिकी के बदलते परिवेश में हिन्दी भाषा ने अपना स्थान धीरे-धीरे प्राप्त कर लिया है। आज हमारी मानसिकता में बदलाव लाने की ज़रूरत है। आधुनिकीकरण के दौर में भाषा भी अपना स्थान ग्रहण कर लेती है। हिन्दी की उपादेयता पर कोई भी प्रश्नचिह्न लगा नहीं सकता। लेकिन संकुचित स्वार्थ के कारण भारतीय भाषाओं को नकारना हमारी मानसिक गुलामी की निशानी है।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Recap/पुनरावृत्ति

- भाषा
- भारतीय भाषा
- प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भाषा
- हिन्दी भाषा
- हिन्दी भाषा के संवैधानिक प्रावधान
- हिन्दी भाषा में उपलब्ध वेबसाइट
- केंद्र सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त वेबसाइट
- केंद्र सरकारी कार्यालय के वेबसाइट में उपलब्ध द्विभाषिकता।
- प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा का योगदान।

Objective questions/वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हिन्दी भाषा को संवैधानिक प्रावधान कब मिली?
2. हिन्दी भाषा में उपलब्ध एक वेबसाइट लिखिए?
3. केंद्र सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त दो वेबसाइट लिखिए?
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास किस वेबसाइट में मिली है?

Answers/उत्तर

1. 1949 ई. सितंबर 14।
2. www.hindinet.com
3. www.cstt.nic.in
   www.ciil.org
4. www.gadnet.com

Assignments/प्रदत्त कार्य

1. हिन्दी भाषा में उपलब्ध वेबसाइटों का परिचय दीजिए।
2. भाषा माने क्या है?
3. विश्वजाल में हिन्दी भाषा का स्थान किस प्रकार है?
4. कंप्यूटर के क्षेत्र में हिन्दी भाषा का प्रसार किस प्रकार है?
5. हिन्दी भाषा की संवैधानिक स्थिति का परिचय दीजिए?

इकाई 2

Leap office, ISM, Pagemaker

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- लीफ ऑफिस का परिचय प्राप्त होता है
- पेजमेकर की विशेषताएँ समझता है
- पेजमेकर का मुख्य डिजाइनिंग का प्राथमिक परिचय प्राप्त होता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

लीप ऑफिस एक कानूनी अभ्यास प्रबंधन कार्यक्रम है जो एक छोटी कानूनी फॉर्म में की गई विभिन्न भूमिकाओं का एक बेजोड़ अभिसरण प्रदान करता है।

पेजमेकर एक डेस्कटॉप एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर है, जिसका उपयोग पेजले आउट डिजाइन केलिए किया जाता है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

कानूनी अभ्यास प्रोग्राम, डिजाइन, एडिटिंग

Discussion / चर्चा

2.2.1 लीप ऑफिस

लीप ऑफिस एक कानूनी अभ्यास प्रबंधन कार्यक्रम है जो एक छोटी कानूनी फॉरमेन की गई विभिन्न भूमिकाओं का एक बेजोड़ अभिसरण प्रदान करता है।

ग्राहक जो भी काम करना चाहता है उसे एक ही प्रबंधन ढांचे में ट्रैक और रिपोर्ट किया जाता है। ताकि वह और उनकी टीम केवल सच्चाई के संस्करण पर काम कर सके।

2.2.1.1 लीप ऑफिस 2000

लीप ऑफिस भारतीय भाषा में कार्यालय अनुप्रयोगों केलिए एकपूर्ण कार्यक्रम है। इसे Mithi.com प्राइवेट केसाथ साझेदारी में बनाया गया था।

लीप ऑफिस 2000 में कई विशेषताएँ हैं, जो इसे भारतीय भाषाओं का उपयोग करने केलिए अविश्वसनीय रूप से सुविधाजनक बनाती हैं। यह ग्राहक की उत्पादकता को बढ़ाने केलिए कई तरीके प्रदान करता है। इसमें बहुभाषी वर्तनी वर्तनी परीक्षक की बोर्ड शॉर्टकट स्कैन और बदलें, वेब कीबोर्ड और राजभाषा शब्दकोश आदि शामिल हैं।

लीप ऑफिस ने इंटरनेट जैसी उभरती हुई तकनीक को अच्छी तरह अपनाया है। इसमें किसी अन्य प्रकाशन केपास जाए बिना भारतीय भाषा में ईमेल भेजने की सुविधा है। लीप ऑफिस का उपयोग करके वेबसाइट बनाना उतना ही आसान है जितना कि कोई अन्य टेक्स्ट बनाना।

2.2.1.2 लीप ऑफिस की विशेषताएँ

- बहुत आसान यूजर इंटरफेस।
- उन लोगों केलिए ऑनलाइन सक्रिय कीबोर्ड शैली जो बहुभाषी नियंत्रक टाइप करना नहीं जानते हैं।
- भारतीय भाषाओं में सीधे ईमेल सेवा।
- भारतीय भाषाओं में वेबसाइटों की प्रस्तुत करने की सुविधा।
- समानार्थक शब्दकोश।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

- LEAP Office 2000 से अन्य Windows आधारित सोफ्टवेयर निर्बाध फाईल विनिमय।

2.2.2 पेजमेकर

पेजमेकर (Pagemaker) एक डेस्कटॉप एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर है, जिसका उपयोग पेजलेआउट डिजाइन केलिए किया जाता है, जैसे- ब्रेषर, मैगजीन, बुक, शादी कार्ड्स, इनविटेशन कार्ड्स, पोस्टर्स, बैनर्स, बुक डिजाइनिंग आदि। पेजमेकर का मुख्य कार्य डिजाइनिंग और एडिटिंग करना है।

आज की तारीख में पेजमेकर सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जानेवाला एक ग्राफिक डिजाइन सॉफ्टवेयर है, जिसका इस्तेमाल डेस्कटॉप पब्लिशिंग केलिए किया जाता है।

पेजमेकर (Pagemaker) का निर्माण Adlus कॉरपोरेशन द्वारा 1985 में किया गया था, लेकिन 1994 में Adobe कंपनी द्वारा इसका अधिग्रहण कर लिया गया।

डेस्कटॉप उपयोगकर्ताओं के लिए Pagemaker एक लोकप्रिय ग्राफिक्स सॉफ्टवेयर है। Pagemaker के आने के बाद से एडिटिंग की दुनिया में एक अलग ही बदलाव आया है, क्योंकि आज के डिजिटल वर्ल्ड में एडिटिंग और प्रेजेंटेशन का काफी महत्व है।

2.2.2.1 पेजमेकर के विभिन्न घटक

- **Title Bar–** यह Pagemaker विंडो के सबसे ऊपरी भाग में होता है, जिसमें आप अपने डॉक्यूमेंट का नाम डालकर सेव कर सकते हैं। और अगर आप अपने डॉक्यूमेंट को सेव नहीं करते हैं, तो टाइटल बार में Untitled-1 शो करता है।
- **Rulers–** Pagemaker में दो Rulers होते हैं, जिन्हें वर्टीकली और हॉरिज़ॉन्टली मूव किया जा सकता है, पेज की लम्बाई-चौड़ाई बताने केलिए इसका उपयोग किया जाता है।
- **Pasteboard–** पेस्टबोर्ड पेजमेकर डॉक्यूमेंट के पीछे का बैकग्राउंड (पृष्ठ) होता है, इसका इस्तेमाल टेक्स्ट और इमेजेस (Graphics Elements) को अस्थायी रूप से रखने केलिए होता है, कि आइटम्स को कहाँ और पृष्ठों के बीच कब रखना है।
- **Page Icon–** पेजमेकर के मेनूबार के नीचे जो स्टैंडर्ड टूलबार दिया होता है वही Page Icon कहलाते हैं। इसमें इस्तेमाल की जानेवाली कमांड जैसे- न्यू, ओपन, सेव, प्रिंट, फाइंड आदि Icons के रूप में दिए होते हैं। जिसे आप अपने हिसाब से इस्तेमाल कर सकते हैं।

2.2.2.2 पेजमेकर की विशेषताओं का वर्णन कीजिए

Pagemaker का सबसे नया एडिशन 7.0 है। इस एडिशन में Adobe ने बहुत से नए तरह के बदलाव किये हैं और इसमें नए Features डाले गए हैं। आईये जानते हैं इसके Features के बारे में:

- पेजमेकर में टेम्प्लेट्स काफी प्रोवाइड किया गया है, जिनमें पेजों की डिजाईन पहले से ही बनी होती है, आप बस इसे ओपन करके उपयोग में ले सकते हैं। इससे आपका काम जल्दी और आसानी से हो जाएगा।
- Pagemaker में टूलबार की सुविधा भी दी गई है, जिसके जरिए आप अपने डॉक्यूमेंट या फाइल को सेव, प्रिंट कर सकते हैं। इसके साथ ही टूलबार में फॉर्मेटिंग और स्पेलिंग चेक करने का कमांड भी दिया गया है।
- इसमें कलर मैनेजमेंट नाम सेटूल ऐड किया गया है। इसके जरिये आप डॉक्यूमेंट के कलर को अपनी पसंद के अनुसार चेंज कर सकते हैं।
- क्लिप आर्ट के प्रयोग से आप Image और Icon का उपयोग पब्लिशिंग में आसानी से कर सकते हैं।
- Pagemaker में लेटेस्ट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी केद्वारा आप दोनों तरफ प्रिंटिंग, डुप्लेक्स प्रिंटिंग, बाइंडिंग प्रिंटिंग आदि कम समय में और आसानी से कर सकते हैं।

चर्चा के बिंदु: Point of Discussion

- पेज मेक की सुविधाएँ।
- पेजमेकर की आने केबाद एडिटिंग दुनिया मेंहोनेवाले बदलाव।

Critical Overview / अवलोकन

लीप ऑफिस कानूनी अनुभव के परिणाम स्वरूप ग्राहक दक्षता में पर्याप्त वृद्धि से लाभान्वित होता है। लीप ऑफिस दो दर्जन भारतीय भाषा में कार्यालय अनुप्रयोगों केलिए एक पूर्ण कार्यक्रम है।

Pagemaker एक डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर है, जिसका इस्तेमाल Cards, Boucher, Invitation Card, Poster, Banners, Document बनाने केलिए, मॉडिफाई करने केलिए और उन्हें प्रिंट करने केलिए किया जाता है

Recap /पुनरावृत्ति

- कंप्यूटर प्रोग्राम।
- कानूनी आवश्यकता केलिए प्रयुक्त प्रोग्राम
- लीप ऑफिस।
- लीप ऑफिस 2000
- लीप ऑफिस के उपयोग।
- पेजमेकर।
- पेजमेकर की विशेषताएँ।

Objective questions /वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. लोकप्रिय ग्राफिक सॉफ्टवेयर का नाम क्या है?
2. एक कानूनी कंप्यूटर प्रोग्राम का नाम लिखिए?
3. पेजमेकर की दो प्रमुख विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
4. भारतीय भाषाओं केलिए प्रयुक्त लीप ऑफिस क्या है?

Answers /उत्तर

1. पेजमेकर।
2. लीप ऑफिस।
3. डिजाइनिंग एंड एडिटिंग।
4. लीप ऑफिस 2000।

Assignments/प्रदत्त कार्य

1. वर्तमान संदर्भ में पेजमेकर की आवश्यकता क्या है?
2. पेजमेकर माने क्या है ?
3. पेजमेकर के प्रमुख विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
4. लीप ऑफिस की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
5. वर्तमान संदर्भ में लीप ऑफिस की आवश्यकता क्या है?

SGOU

इकाई 3

हिन्दी टाइपिंग फोंटः मंगल

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- हिन्दी टाइपिंग का परिचय प्राप्त होता है
- हिन्दी icon के बारे में समझता है
- हिन्दी कीबोर्ड का परिचय प्राप्त होता है
- मंगल फोंट का परिचय प्राप्त होता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

हिन्दी टाइपिंग और अंग्रेजी टाइपिंग केलिए उंगलियों का स्थान समान है। विशेष वर्ण टाइप करने केलिए हमेशा एक ही उंगली का उपयोग करें और उस कुंजी को दबाने के बाद, अपनी उंगली को प्रारंभिक स्थिति में लौटा दें।

एक बात याद रखें, टाइपिंग सीखने केलिए अभ्यास ही कुंजी है, कोई शॉर्टकट नहीं है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

हिन्दी आइकन, हिन्दी कीबोर्ड, मंगल फोंट

Discussion / चर्चा

2.3.1 हिन्दी टाइपिंगगाइड - मंगल फोंट

रेमिंगटन कीबोर्ड/मंगल फोंट केलिए हिन्दी टाइपिंग ट्यूटर कीबोर्ड पर गुलाबी रंग में हाइलाइट किए गए चरित्र के साथ है। ऊपरी टैब पर देखें यह आपको चरित्र दिखाएगा, आपको अंग्रेजी में टाइप करना होगा। चरित्र भी गुलाबी रंग में हाइलाइट किया गया है बस स्क्रीन पर देखें और टाइप करें, कीबोर्ड को न देखें। यदि आप दायां कुंजी दबाते हैं तो यह टाइप करने केलिए अगले वर्ण को हाइलाइट करेगा और कुंजी ऑन-स्क्रीन कीबोर्ड में हाइलाइट हो जाएगी।

यदि आप गलत कुंजी दबाते हैं तो यह आपको ऊपरी टैब पर एक 'ओओपी' संदेश दिखाएगा और आपके द्वारा टाइप की गई कुंजी कीबोर्ड पर लाल रंग में दिखाई देगी। एक बात याद रखें, टाइपिंग सीखने केलिए अभ्यास ही कुंजी है, कोई शॉर्टकट नहीं है। सभी अभ्यासों का अभ्यास करें और उस कुंजी को याद रखें जिससे चरित्र टाइप किया गया है। एक बार जब आप कुंजी और संबंधित वर्ण को याद कर लेते हैं तो आप कीबोर्ड को देखे बिना तेजी से टाइप कर सकते हैं।

- WPM शब्द प्रति मिनट केलिए खड़ा है।
- CPM का मतलब चरित्र प्रति मिनट है।
- शुद्धता GWPM और NWPM का प्रतिशत है।
- GWPM का मतलब सकल शब्द प्रति मिनट है।
- NWPM का मतलब नेटवर्ड प्रति मिनट है।

2.3.1.1 कीबोर्ड पर उंगलियों का स्थान

हिन्दी टाइपिंग और अंग्रेजी टाइपिंग केलिए उंगलियों का स्थान समान है। विशेष वर्ण टाइप करने केलिए हमेशा एक ही उंगली का उपयोग करें और उस कुंजी को दबाने के बाद, अपनी उंगली को प्रारंभिक स्थिति में लौटा दें।

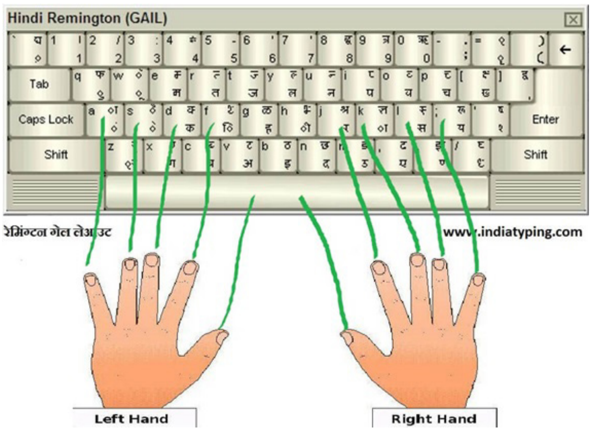

2.3.1.2 कीबोर्ड होमरो पर उंगलियों का स्थान

होमरो वह पंक्ति है जहाँ हमें टाइपिंग शुरू करने से पहले अपनी उँगलियाँ रखनी चाहिए। जब हम किसी भी कुंजी को दबाने केलिए अपनी उंगलियों को घुमाते हैं तो उस कुंजी को दबाने के बाद हमें अपनी कुंजी को पिछली स्थिति में वापस कर देना चाहिए, जिसका अर्थ है कि होमरो की स्थिति, अंग्रेजी और हिन्दी टाइपिंग केलिए होम की स्थिति के बारे में जानने केलिए नीचे दीगई छवि देखें।

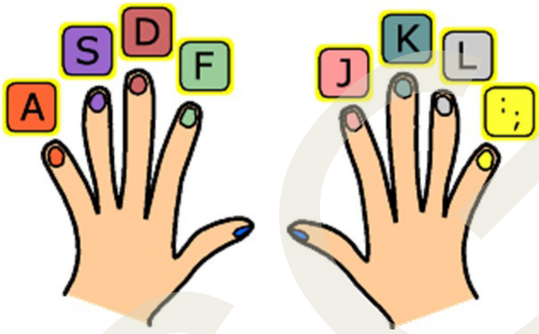

यह रेमिंगटन गेल/ सीबीआई टाइपिंग ट्यूटर यूनिकोड समर्थित मंगल फोंट के साथ डिजाइन किया गया है। रेमिंगटन गेल लेआउट यूनिकोड फोंट केलिए पारंपरिक टाइपराइटर लेआउट का प्रतिस्थापन है। इस लेआउट को सीखना समय की मांग है क्यों कि आज-कल यूनिकोड आधारित फोंट के युग में आपको एक टाइपिंग की जरूरत है जो यूनिकोड हिन्दी फोंट का समर्थन करता है। पारंपरिक कृति देव फोंट टाइपिंग से रेमिंगटन गेल में खुदको माइग्रेट करना बहुत आसान है, क्योंकि दोनों में लगभग एक ही कुंजी मैपिंग है।

चर्चा के बिंदु: Point of Discussion

यूनिकोड हिन्दी।

कीबोर्ड पर उंगलियों का स्थान।

मंगलफोंट।

Critical Overview / अवलोकन

हिन्दी टाइपिंग में एक बात याद रखें, टाइपिंग सीखने केलिए अभ्यास ही कुंजी है, कोई शॉर्टकट नहीं है। सभी अभ्यासों का अभ्यास करें और उस कुंजी को याद रखें जिससे चरित्र टाइप किया गया है। एक बार जब आप कुंजी और संबंधित वर्ण को याद कर लेते हैं तो आप कीबोर्ड को देखे बिना तेजी से टाइप कर सकते हैं।

Recap /पुनरावृत्ति

- हिन्दी कंप्यूटर एप्लीकेशन।
- हिन्दी कीबोर्ड।
- हिन्दी आइकन।
- हिन्दी कीबोर्ड में उंगलियों का स्थान।
- यूनिकोड हिन्दी।
- मंगलफोंट।

Objective questions /वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. एक हिन्दी फोंट का नाम लिखिए?
2. कंप्यूटर में हिन्दी कीबोर्ड उपलब्ध है न?
3. यूनिकोड किस भाषा की फोंट है?

Answers /उत्तर

1. मंगल फोंट
2. कंप्यूटर में हिन्दी, कीबोर्ड उपलब्ध है।
3. हिन्दी भाषा की।

Assignments/प्रदत्त कार्य

1. हिन्दी टाइपिंग
2. हिन्दी टाइपिंग, संक्षिप्त विवरण दीजिए?
3. मंगल फोंट माने क्या है?
4. मंगल फोंट की विशेषताएँ क्या है?

Reference /सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. मीडिया और हिन्दीः डॉ. पंडित बन्नै। अमन प्रकाशन /उत्तर प्रदेश।
2. कामकाजी हिन्दी शब्द संरचनाः गणपति भोटल रामनारायण, जय भारती प्रकाशन इलाहाबाद।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखनः प्राचार्य डॉ बाबुराव देसाई, विकास प्रकाशन कानपुर।
4. इंटरनेट, विकीपीडिया

Regional Centres

Kozhikode
Govt. Arts and Science College
Meenchantha, Kozhikode,
Kerala, Pin: 673002
Ph: 04952920228
email: rckdirector@sgou.ac.in

Thalassery
Govt. Brennen College
Dharmadam, Thalassery,
Kannur, Pin: 670106
Ph: 04902990494
email: rctdirector@sgou.ac.in

Tripunithura
Govt. College
Tripunithura, Ernakulam,
Kerala, Pin: 682301
Ph: 04842927436
email: rcedirector@sgou.ac.in

Pattambi
Sree Neelakanta Govt. Sanskrit College
Pattambi, Palakkad,
Kerala, Pin: 679303
Ph: 04662912009
email: rcpdirector@sgou.ac.in

SGOU

हिन्दी कंप्यूटिंग

COURSE CODE: B21HD01SE

SGOU

YouTube

Sreenarayanaguru Open University
Kollam, Kerala Pin- 691601, email: info@sgou.ac.in, www.sgou.ac.in Ph: +91 474 2966841

ISBN 978-81-966440-5-5
9 788196 644055